(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है ; और

(ग) इस परियोजना का परित्याग करने के क्या कारण है ?

उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्रीमती कृष्णा साही) : (क) से (ग) सरकार ने नेपा लिमिटेड द्वारा, अलीगंज, जिला मुरादाबाद, उत्तर प्रदेश में, भारत सरकार की बजटीय सहायता से खोई पर आधारित अखबारी कागज की एक मिल लगाने का अनुमोदन वर्ष 1989 में दिया था। नेपा लिमिटेड ने 800 एकड़ भूमि का अधिग्रहण किया और उस पर "साइट कार्यालय" आदि जैसे अवस्थापना कार्य किए। तथापि, धन की कमी के कारण इस परियोजना के आगामी कार्यान्वयन के लिए इसके अधिग्रहण हेतु उद्यमियों से प्रस्ताव आमंत्रित किए गए है

हैवी इंजीनियरिंग कारपोरेशन, रांची में निवेश

3159. **श्री अजीत जोगी :**
श्री मूल चन्द मीणा :

क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) केन्द्रीय सरकार और निजी क्षेत्र द्वारा हैवी इंजीनियरिंग कारपोरेशन लिमिटेड, रांची में कितना-कितना निवेश किया गया है ;

(ख) वर्ष 1990-91, 1991-92 और 1992-93 के दौरान हैवी इंजीनियरिंग कारपोरेशन लिमिटेड को कितनी-कितनी हानि हुई है ;

(ग) पिछले तीन वर्षों के दौरान कितने अधिकारियों ने स्वैच्छिक अवकाश ग्रहण किया और वर्ष 1993-94 के दौरान कितने अधिकारियों द्वारा स्वैच्छिक अवकाश ग्रहण किये जाने की संभावना है ;

(घ) इस उद्देश्य के लिये कुल कितनी कितनी धन-राशि उपलब्ध कराई गई है; और

(ङ) बाकी धनराशि कब तक उपलब्ध करा दी जाएगी ?

उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्रीमती कृष्णा साही) : (क) हैवी इंजीनियरिंग कारपोरेशन लिमिटेड (एच० ई० सी०) रांची में यथा 1-3-94 को केन्द्रीय सरकार द्वारा किए गए निवेश का ब्यौरा निम्नलिखित है :—

(लाख रुपये में)

शेयर पूंजी	27368.35 रुपये
सरकार से अप्रतिभूत ऋण	27110.76 रुपये
कुल :	54479.11 रुपये

हैवी इंजीनियरिंग कारपोरेशन में निजी क्षेत्र द्वारा कोई निवेश नहीं किया गया है।

(ख) हैवी इंजीनियरिंग कारपोरेशन लिमिटेड को वर्ष 1990-91, 1991-92 व 1992-93 में क्रमश 99.51 करोड़ रुपए, 192.65 करोड़ रुपए व 127.25 करोड़ रुपए का घाटा हुआ है।

(ग) हैवी इंजीनियरिंग कारपोरेशन में स्वैच्छिक सेवा निवृत्ति स्कीम 22.10.90 को शुरू की गई थी। इस स्कीम के अन्तर्गत वर्ष 1990-91 में कोई मामला स्वीकार नहीं किया गया। स्वैच्छिक सेवा निवृत्ति स्कीम के अंतर्गत स्वीकार किए

गए विकल्पों का वर्ष वार/श्रेणीवार ब्यौरा निम्नलिखित है :—

श्रेणी	1991–92	1992–93	1993–94 (4.3.94 तक)	कुल
कार्यपालक . . .	390	619	357	1366
पर्यवेक्षक . .	127	268	125	520
कामगार . . .	504	1149	636	2289
कुल :	1021	2036	1118	4175

उपर्युक्त के अतिरिक्त, वर्ष 1993–94 के बाकी बचे हुए समय में लगभग 600 कर्मचारियों के स्वैच्छिक सेवा-निवृत्ति लेने की आशा है ।

(घ) सरकार द्वारा स्वैच्छिक सेवा निवृत्ति स्कीम के अंतर्गत उपलब्ध कराई गई निधियों की कुल धनराशि इस प्रकार है :—

(करोड़ रुपयों में)

1991–92	20.50
1992–93	41.00
1993–94	25.75
(यथा 1.3.94 को)	—
कुल .	87.25

(ङ) स्वैच्छिक सेवा निवृत्ति स्कीम के लिए निधियां, सरकारी उपक्रमों द्वारा स्वीकार किए गए आवेदनों के लिए आवश्यक निधियों हेतु उनके विशेष अनुरोधों पर जारी की जाती हैं । हैवी इंजीनियरिंग कार्पोरेशन को और निधियां उनके अनुरोध प्राप्त होने पर जारी की जाएंगी ।

मध्य प्रदेश में खादी और ग्रामोद्योगों का विकास

3160. श्री अजीत जोगी :
श्री मूल चन्द मीणा :

क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) वर्ष 1990–91 और 1991–92 के दौरान मध्य प्रदेश में खादी और ग्रामोद्योगों के विकास के लिए तैयार की गई योजनाओं और राज्यों में विभिन्न खादी और ग्रामोद्योग केन्द्रों को सरकार द्वारा उपलब्ध कराए गए अनुदान का ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार ने वर्ष 1992–93 के दौरान अनुदान की राशि में वृद्धि की थी;

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) गुजरात और देश के अन्य राज्यों में खादी को लोकप्रिय बनाने के लिए क्या कदम उठाए गये हैं अथवा उठाने का विचार है ?

उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री एम. अरूणाचलम) : (क) खादी तथा ग्रामोद्योग आयोग, मध्य प्रदेश में खादी तथा ग्रामोद्योगों के लिए योजनाओं का कार्यान्वयन करता है। कार्यान्वयन के लिए मुख्य रूप से निम्नलिखित ग्रामो-